ISSN 2277-9264

संकल्य

हिन्दी अकादमी, हैदराबाद

जनवरी-मार्च, 2016

44 वर्षों से निरंतर प्रकाशित

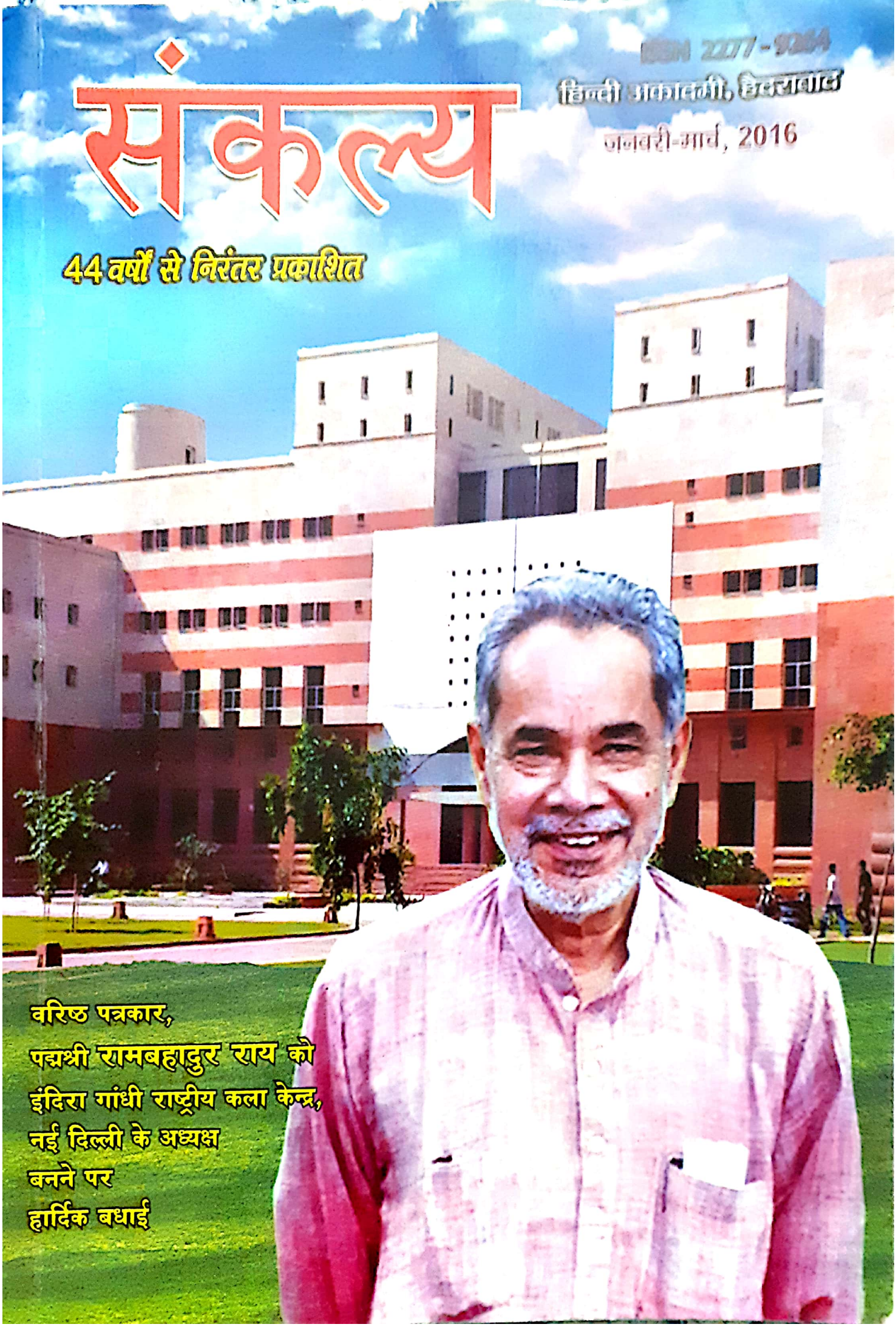

वरिष्ठ पत्रकार,
पद्मश्री रामबहादुर राय को
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र,
नई दिल्ली के अध्यक्ष
बनने पर
हार्दिक बधाई

Scanned by CamScanner

विषय-क्रम

संपादकीय

5 प्रो.टी.मोहन सिंह - विश्वविद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप : समस्याएँ और समाधान

जन्मदिन स्मरण

15 डॉ.गोरखनाथ तिवारी - दक्षिण हिंदी महासमर के अर्जुन : बदरीविशाल पित्ती जी

विशेष

22 प्रो.दिलीप सिंह - कहाँ-कहाँ से गुजर गया किताबों के बहाने

आलेख

32 डॉ.विवेकी राय - डॉ.वेदप्रकाश अमिताभ : समीक्षक व्यक्तित्व का निखार

39 मांधाता राय - सूर की रामकथा और मानस

47 प्रो.विजय कुलश्रेष्ठ - गत शती के महिला उपन्यास और परिवर्तित मनोवैज्ञानिक संदर्भ

52 डॉ.इसपाक अली - हिंदी कथा साहित्य में वृद्धा विमर्श

55 डॉ.सुनीति आचार्य - श्री कृष्ण-भक्ति में अवतारवाद की चेतना

60 डॉ.माधुरी पाण्डेय गर्ग - प्रेमचंद और शरतचंद्र के उपन्यासों में सामाजिक-संचेतना

64 डॉ.राजेश चंद्र पाण्डेय - निराला के नवगीत और संवेदना के विविध आयाम

67 कृष्ण कुमार यादव - प्रकृति का उल्लास पर्व है वसंत

71 सूर्यकांत त्रिपाठी - विद्यापति के काव्य में स्वरों की संगीतमयता

74 डॉ.किरण बाला अरोड़ा - वर्णभेद एवं श्री नरेश मेहता का काव्य शबरी

78 डॉ.अंजु लता - नासिरा शर्मा का कथा साहित्य : एक आलोचनात्मक अध्ययन

84 डॉ.विजय पाटील - हिंदी कहानी में मूल्य संक्रमण

88 डॉ.के.माधवी - अंतिम दशक के हिंदी नाटक-मानवीय मूल्य

91 डॉ.पार्वती - स्त्रीवाद और ओल्गा का साहित्य

95 लाङ्जम रोमी देवी - साधारण के असाधारण कवि: मत्स्येंद्र शुक्ल

99 मुकेश कुमार - ज्ञानी देवी के काव्य में चित्रित प्रेम-भावना

Scanned by CamScanner

नासिरा शर्मा का कथा साहित्य : एक आलोचनात्मक अध्ययन

डॉ.अंजु लता

समकालीन कथा साहित्य में नासिरा शर्मा एक प्रमुख नाम है। नासिरा उर्दू, हिंदी, फारसी और अंग्रेजी भाषाओं पर समान अधिकार रखती हैं। इनके कथा साहित्य में संवेदना के विविध रंग देखने को मिलते हैं। हिंदी साहित्य में इनकी पहचान ईरानी क्रांति पर गंभीर लेखन के कारण बनी। ईरान जब क्रांति के दौर से गुजर रहा था उस समय में लेखिका वहाँ जाकर अयातुल्लाह खुमैनी का इंटरव्यूह लेकर आती है। यह वह समय था जब ईरान की पूरिमा हर किसी की गतिविधि पर चौकन्नी हो जाती थी। ईरान में खुमैनी की इस्लामिक सत्ता के दौर में इन्होंने साम्यवादियों के पक्ष में कलम उठाई। ईरान पर अपने लेखन के अतिरिक्त इन्होंने इराक, अफगानिस्तान तथा अन्य मध्य पूर्व के देशों को अपने लेखन में स्थान दिया।

नई कहानी आंदोलन के दौर में साहित्य में भोगे हुए यथार्थ और अनुभव की प्रामाणिकता को संवेदनात्मक रूप में विकास मिलता है। इस समय में लेखिका का सारा ईरानी साहित्य भोगा हुआ तथा प्रामाणिक जान पड़ता है। इस दौर के अन्य महिला लेखिकाओं ने स्त्री देह को मुक्ति के प्रमुख टूल के रूप में अपनाया है। वहीं नासिरा के यहाँ धर्म, विचारधारा और राजनीति की आड़ में औरत पर होनेवाले अत्याचार को रेखांकित करने का कार्य किया गया है। इनके यहाँ स्त्री विमर्श का एक अलग रूप देखने को मिलता है। आज़ादी के बाद कथा साहित्य में मध्यवर्गीय स्त्री और संवेदना को प्रमुख रूप से स्थान दिया गया है। जिसे लगातार स्त्री विमर्श के नाम पर आलोचना के केंद्र में भी रखा गया। दो पुरुषों के बीच असमंजस की शिकार स्त्री, पति-पत्नी के बीच में आने वाली स्त्री, कई पुरुषों के साथ रहनेवाली तथा अकेले रहने वाली स्त्री आदि कथा साहित्य में अधिकांशतः इसी तरह की औरतों की संवेदना को व्यक्त करने का प्रयास स्त्री लेखिकाओं की तरफ से किया गया। नासिरा के यहाँ स्त्री विमर्श का अलग ही रूप दिखाई देता है। नासिरा स्वयं को स्त्रीवादी नहीं मानती हैं। इनके लेखन में स्त्री का एक अलग ही स्वरूप दिखाई देता है। इन्होंने औरत को एक तरफ और पूरे समाज को दूसरी तरफ करके किसी भी चरित्र को नहीं रचा। इनके यहाँ औरत अपनी पूरी सामाजिकता के साथ प्रस्तुत की जाती है। प्रेम, सेक्स और देह से इतर भी इसके जीवन में कई समस्याएँ हैं। जिसंको लेखिका ने रचना के केंद्र में लाने का प्रयास किया है। इनकी कहानियों का सिलसिला थमा हुआ नज़र नहीं आता है। धर्म की आड़ में औरत पर हो रहे अत्याचार, विभाजन की त्रासदी झेल रहे लोग, किसी जेल में पड़े सियासी कैदी तथा शरणार्थी शिविर में पड़े बच्चों और बूढ़ों पर लेखिका ने अनवरत कलम चलाई है।

नासिरा का फारसी भाषा और ईरान के साथ कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। लेकिन फारसी भाषा का लगातार अध्ययन करने के कारण इस भाषा के प्रति इनका मोह बढ़ गया। ईरान प्रवास के दौरान इनको वहाँ के साहित्यकारों के साथ रहने का मौका मिला, जो वहाँ की विपरीत परिस्थितियों के बीच अपना लेखन जारी रखे हुए थे। ईरान में क्रांति के बाद सत्ता और साहित्यकारों की आपस में कभी नहीं बनी। इस प्रकार इस विपरीत परिस्थितियों में

Scanned by CamScanner